राजधानी •
वर्ष 18 | अंक 180 | पृष्ठ :14+4
मूल्य : तीन रुपये
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

नई दिल्ली
बृहस्पतिवार, 8 अक्तूबर 2020

amarujala.com | रणनीति | 5जी, एआई, आपूर्ति शृंखला में चीन को मिलकर मात देंगे भारत-जापान...9 | दिल्ली-एनसीआर

नोएडा एयरपोर्ट : पहले चरण में एक रनवे, 90 फीसदी घरेलू उड़ानें

यूपी सरकार और ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल के बीच समझौते पर हस्ताक्षर, अगले साल शुरू हो जाएगा काम

नई दिल्ली/ नोएडा। जेवर में बनने वाले नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पहले चरण में एक रनवे बनेगा और शुरुआत के कुछ सालों तक करीब 90 फीसदी घरेलू उड़ानों का संचालन किया जाएगा। एयरपोर्ट का काम शुरू करने को लेकर बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार और ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल के बीच समझौते पर हस्ताक्षर हुए। एयरपोर्ट का काम 2021 में शुरू होगा और 2024 में संचालन शुरू होने की उम्मीद है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. (नियाल) के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि स्विस कंपनी के साथ कंसेशन समझौता 29,560 करोड़ रुपये का है। एयरपोर्ट का निर्माण व रखरखाव पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत होगा। एयरपोर्ट निर्माण पांच हजार हेक्टेयर क्षेत्र में किया जाएगा। ब्यूरो >> एप से बुक होगा टिकट, क्यूआर कोड से प्रवेश : माई सिटी

समझौते के दौरान ज्यूरिख इंटरनेशनल और नियाल के अफसर

पूरी तरह डिजिटल होगा एयरपोर्ट

ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के तौर पर विकसित होने वाले एयरपोर्ट को पूरी तरह से डिजिटल तरीके से संचालित किया जाएगा। यह अपनी श्रेणी में पहला जीरो कार्बन एमिशन एयरपोर्ट होगा, जो एविएशन क्षेत्र में नया मापदंड स्थापित करेगा।

4,588 करोड़ की पहले चरण में लागत

पहले चरण में 1334 हेक्टेयर भूमि पर निर्माण कार्य शुरू होगा और इसमें करीब 4,588 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ अरुण वीर सिंह ने बताया कि पहले चरण के बाद एयरपोर्ट पर सालाना 1.2 करोड़ से 1.6 करोड़ यात्री आने की उम्मीद है।

पीक ऑवर में दिल्ली एयरपोर्ट की एक सीमा है। लिहाजा जो एयरलाइंस इस दौरान उड़ानों का संचालन करना चाहेंगी, वे वहां शिफ्ट करना पसंद करेंगी। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के बजाय शुरुआती कुछ सालों तक घरेलू उड़ानों का ही संचालन किया जाएगा। -डेनियल बचर, सीईओ, ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल